पाठ – 2 वन एवं वन्य जीव संसाधन

अभ्यास

Q1. बहु वैकल्पिक प्रश्न

(i) इनमें से कौन सी टिप्पणी प्राकृतिक वनस्पति जात और प्राणी जात के ह्रास का सही कारण नहीं है?

(क) कृषि प्रसार

(ख) वृहत स्तरीय विकास परियोजनाएं

(ग) पशु चारण और इंधन लकड़ी एकत्रित करना

(घ) तीव्र औद्योगीकरण शहरीकरण

उत्तर : (i) - (ग) पशु चारण और इंधन लकड़ी एकत्रित करना

(ii) इनमें से कौन सा संरक्षण तरीका समुदायों की सीधी भागीदारी नहीं करता ?

(क) संयुक्त वन प्रबंधन

(ख) चिपको आंदोलन

(ग) बीज बचाओ आंदोलन

(घ) वन्यजीव पशु विहार का परिसीमन

उत्तर : (ii) - (घ) वन्यजीव पशु विहार का परिसीमन

Q2. निम्नलिखित प्राणियों/पौधों का उनके अस्तित्व के वर्ग से मेल करें |

जानवर/पौधे	अस्तित्व वर्ग
काला हिरण	लुप्त
एशियाई हाथी	दुर्लभ
अंडमान जंगली सुअर	संकटग्रस्त
हिमालयन भूरा भालू	सुभेद्य
गुलाबी सिरवाली बत्तख	स्थानिक

उत्तर :

जानवर/पौधे	अस्तित्व वर्ग
काला हिरण	संकटग्रस्त
एशियाई हाथी	सुभेद्य
अंडमान जंगली सुअर	स्थानिक
हिमालयन भूरा भालू	दुर्लभ
गुलाबी सिरवाली बत्तख	लुप्त

Q3. निम्नलिखित का मेल करें

आरक्षित वन	सरकार, व्यक्तियों के निजी और समुदायों के अधीन अन्य वन और बंजर भूमि
रक्षित वन	वन और वन्य जीव संसाधन संरक्षण की दृष्टि से सर्वाधिक मूल्यवान वन
अवर्गीकृत वन	वन भूमि जो और अधिक क्षरण से बचाई जाती है

उत्तर :

आरक्षित वन	वन और वन्य जीव संसाधन संरक्षण की दृष्टि से सर्वाधिक मूल्यवान वन
रक्षित वन	वन भूमि जो और अधिक क्षरण से बचाई जाती है
अवर्गीकृत वन	सरकार, व्यक्तियों के निजी और समुदायों के अधीन अन्य वन और बंजर भूमि

Q4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए-

(i) जैव विविधता क्या है? यह मानव जीवन के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ?

(ii) विस्तार पूर्वक बताएँ कि मानव क्रियाएँ किस प्रकार प्राकृतिक वनस्पति जात और प्राणी जात के ह्रास के कारक है |

उत्तर : (i) जैव विविधता किसी दिए गए पारिस्थितिकी तंत्र में वन्यजीव और खेती की प्रजातियों की भिन्नता है। इस परस्पर तंत्र में, प्रत्येक जीव निर्माता, उपभोक्ता या डीकंपोजर है। मानव सहित अन्य जीव, ऐसी भूमिकाओं पर अपने अस्तित्व के लिए निर्भर हैं।

(ii) मानव गतिविधियाँ जैसे कि अवैध शिकार, वनों की कटाई, रेलवे का विस्तार, कृषि, वाणिज्यिक और वैज्ञानिक और खनन वनस्पतियों और जीवों की कमी के लिए जिम्मेदार हैं।

Q5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए-

(i) भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है ? विस्तार पूर्वक विवेचना करें |

(ii) वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों पर एक निबंध लिखिए |

उत्तर : (i) भारतीय वन विभिन्न समुदायों के लिए घर हैं। इन समुदायों का अपने पर्यावरण के साथ एक जटिल संबंध है। छोटा नागपुर क्षेत्र के मुंडा और संथाल महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं; उड़ीसा और बिहार के आदिवासी इमली और आम के पेड़ों की पूजा करते हैं। इसी प्रकार, राजस्थान के बिश्नोई लोग उच्च श्रद्धा में मृगों को पकड़ते हैं। इन समुदायों के लिए, विशेष रूप से वनस्पति और जीव अपनी पहचान के अभिन्न अंग हैं, इसलिए वे उसी की रक्षा के लिए कई कदम उठाते हैं। सरिस्का अभ्यारण्य के आसपास के ग्रामीणों ने इस क्षेत्र में खनन गतिविधियों का विरोध किया है क्योंकि ये गतिविधियाँ वन्यजीवों के लिए खतरा हैं। राजस्थान के अलवर जिले के ग्रामीणों ने 1200 हेक्टेयर क्षेत्र में

शिकार और लकड़ी खाने की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसे उन्होंने भैरवदेव डाकव 'सोनचुरी' के रूप में चिह्नित किया है। इस तरह की गतिविधियों ने कुंवारी वन भूमि के पैच को संरक्षित करने में मदद की है।

(ii) वन और वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में अच्छी प्रथाएँ बहुत हैं। आजकल, कई गैर-सरकारी संगठन जंगल के घटते जंगल और लुप्त हो रहे वन्य जीवों के संरक्षण के लिए जन जागरूकता पैदा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत में केंद्र और राज्य सरकारों ने वनों और लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों की स्थापना की है। संरक्षण के प्रति हाल ही में विकासशील अभ्यास विभिन्न संरक्षण उपायों की खोज है। वन और वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में अच्छी प्रथाओं का नया बायोडायवर्सिटी है। विभिन्न समुदाय, विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में, जो अपने रहने के लिए जंगलों पर निर्भर हैं, अब संरक्षण के इस रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।